1467

हिन्दी

सैमेस्टर-2

Nomenclature of the Course : मध्यकालीन हिन्दी कविता

Course Code : B23-HIN-201

Course Type : CC-2/MCC-3

Level of the Course : 200-209

Credits : 4 (Theory 3, Tutorial 1)

Total Marks : 100
External Exam Marks : 70
Internal Assessment : 30
Time : 3 Hrs

Workload : 4 Hours (3 hours theory and 1 hour tutorial; Tutorial group size for explanation and questions will be 20 students).

Course Learning Outcomes :-

B23-HIN-201-1 : The students will be able to understand various components of poetry.

B23-HIN-201-2 : Perusal of essays type will enrich their knowledge of different poetry styles.

B23-HIN-201-3 : The students will be acquainted with Writers of Poetry.

B23-HIN-201:4 : They students will be able to critical aspects of Poetry.

पाठ्य विषय

इकाई-1 व्याख्या हेतु पाठ्य पुस्तक:-

कबीर दास - कबीर ग्रंथावली (सम्पादक डा. पुष्पपाल सिंह) साखी-गुरुदेव कौ अंग दोहा संख्या - 3, 7, 11, प्रेम-दोहा संख्या-34, विरह कौ अंग - दोहा संख्या 5, 10, 21, 22, पतिव्रता कौ अंग-दोहा संख्या-2, 4, चेतावनी कौ अंग-दोहा संख्या 12, 13, मन कौ अंग-दोहा संख्या-5, 12, 26, माया कौ अंग-दोहा संख्या-4, 11, सूरा तन कौ अंग-दोहा संख्या-12, 19, 21, भ्रम विधौसरण कौ अंग - दोहा संख्या - 8, 10, कुसंगति कौ अंग-दोहा संख्या-7, साध कौ अंग-दोहा संख्या 3, 12।

सूरदास - सूरसागर सार सटीक (सम्पादक डा. धीरेन्द्र वर्मा) विनय और भक्ति - पद संख्या - 1, 4, 22, 25, 44, बाल लीला-पद संख्या 18, 43, वृन्दावन लीला - 11, 13, 42, 127, राधा-कृष्ण-पद संख्या-2,3, 147, भ्रमर गीत-पद संख्या-68, 76, 80, 95, 136, 158, 178, 180।

तुलसीदास - कवितावली - गीता प्रेस गोरखपुर, बाल काण्ड - पद संख्या - 1, 3, 6, अयोध्या कांड - 1, 11, 12, 18, उत्तर कांड-26, 27, 28, 29, 33, 37, 57, 74

मीराबाई - मीराबाई की पदावली (डा. राज नागपाल) परशुराम चतुर्वेदी द्वारा सम्पादित ग्रन्थ के अनुसार - पद संख्या - 2, 3, 9, 14, 15, 17, 20, 23, 30, 33, 34, 39, 45, 46, 57, 76, 108, 113

घनानंद - कवित्त एवं सवैये - घनानन्द कवित्त (भारतेन्दुशेखर) प्रथम शतक पद एवं सवैये संख्या - 2, 15, 34, 40, 44, 52, 58, 70, 71, 82

रसखान - रसखान रचनावली - सम्पादक विद्या निवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र - प्रेम वाटिका - दोहा संख्या - 1, 2, 6, 7, 11, 14, 25, सुजान रसखान - 1, 2, 3, 6, 11, 28, 30, 38, 39

बिहारी लाल - बिहारी रत्नाकर (जगन्नाथ रत्नाकर)

दोहा संख्या - 1, 11, 31, 41, 71, 78, 121, 141, 25, 32, 38, 46, 48, 55, 57, 60, 69, 70, 73, 94, 139, 191, 192, 201, 321, 432, 472, 489, 689

इकाई-2 अनुशीलनी के आधार पर समीक्षात्मक प्रश्न:-

कबीर की भक्ति भावना, गुरु का महत्व, सामाजिक चेतना भाषा शैली, सूरदास की भक्ति भावना, विरह वर्णन, बाल-लीला वर्णन, शृंगार

भावना। तुलसीदास की प्रासंगिकता तुलसीदास का समन्वय भावना, भक्ति भावना, राम भक्त के रूप में तुलसी। मीराबाई की गीति योजना, प्रेम साधना, काव्य सौदन्र्य। बिहारी का नीति का काव्य, बिहारी का शृंगार वर्णन, बिहारी का बहुज्ञत्व। घनानन्द का विरह वर्णन, सौन्दर्य चेतना। रसखान की भक्ति भावना, प्रेम निरुपण।

इकाई-3 आदिकाल की सामान्य परिस्थितियाँ, आदिकाल नामकरण एवं सीमा निर्धारण, आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य: सामान्य परिचय, लौकिक काव्य: सामान्य परिचय।

इकाई-4 काव्य की परिभाषा, काव्य-गुण, काव्य हेतु, काव्य तत्त्व, शब्द शक्तियाँ।

दिशा-निर्देश:-

इकाई-1 (1) सात कवियों की रचनाओं के आधार पर सप्रसंग व्याख्या के दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे। 7x7=14 अंक

(2) किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय विकल्प सहित पूछा जायेगा। 8 अंक

इकाई-2 अनुशीलनी के आधार पर चार समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। दो का उत्तर देना होगा। 5x5=10 अंक

इकाई-3 (1) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल) के आधार पर एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जायेगा। 8 अंक

(2) हिन्दी साहित्य के इतिहास (आदिकाल) के आधार पर चार लघु प्रश्न पूछे जायेंगे। दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। 5x5=10 अंक

इकाई-4 काव्यशास्त्र के आधार पर चार लघु प्रश्न पूछे जायेंगे। दो का उत्तर देना होगा। 5x5=10 अंक

समस्त पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।1×10=10अंक

पाठ्य पुस्तकें:-

1. आचार्य शुक्ल: सूरदास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. आचार्य शुक्ल: गोस्वामी, तुलसीदास, वाणी प्रकाशन।
3. रांगेय राघव: तुलसी का कथ्य शिल्प।
4. रामचन्द्र तिवारी: तुलसीदास, वाणी प्रकाशन।
5. कमलानन्द झा: तुलसी का काव्य विवेक मर्यादा बोध, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. योगेन्द्र प्रताप सिंह: जन-जन के तुलसी, वाणी प्रकाशन।
7. बलदेव वशी: कबीर की चिंता, वाणी प्रकाशन।
8. कमलाप्रसाद: मध्यकालीन, रचना और मूल्य, वाणी प्रकाशन।
9. शिव कुमार मिश्र: भक्तिकाल का लोकजीवन।
10. देवी शंकर अवस्थी: भक्ति का संदर्भ, वाणी प्रकाशन।
11. डा. नरेश: सूफी मत और हिन्दी सूफी काव्य।
12. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध': कबीर वचनावली।

Evaluation of Internal Assessment

Internal Assessment (Theory) will be based on the following components :-

i)	Class Participation	:	5 Marks
ii)	Seminar/Presentation/Assignments/Quiz/Class Test etc.	:	10 Marks
iii)	Mid-Term Exam	:	15 Marks
	Total	:	30 Marks